दिनांक 01 जुलाई 2018 को खेल गाँव राँची में झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण।

झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित कारीगर, बुनकरों के महासम्मेलन में आप सबों के मध्य सम्मिलित होकर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है।

खादी हमारे देश से जुड़ा है। देश की स्वतंत्रता में खादी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने खादी के माध्यम से देश के लोगों को आत्मनिर्भर बनने पर बल दिया था। लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने खादी के प्रचार–प्रसार पर बहुत जोर दिया। उनका मानना था कि खादी तथा ग्राम उद्योग को अपनाने से लोगों के सामाजिक स्तर में भी सुधार आ सकेगा।

हमारे देश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है। आर्थिक दृष्टि से तेजी से विकास कर रहे देशों में से भारत का अहम स्थान है, लेकिन देश की कुल जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा आज भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए जूझ रहा है। ऐसे लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी करना देश के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का उचित उत्तर महात्मा गांधी का विकास मॉडल खादी और ग्राम उद्योग, हो सकता है।

लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि भारत की आजादी खादी में है। खादी भारत की संस्कृति को दिखाती है। देश में खादी अपनी एक विशिष्ट पहचान रखती है। अब यह राष्ट्रीय रूचि की चीज बन गई है। खादी में करोड़ों लोगों को रोजगार देने की क्षमता है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी खादी को रोजगार प्रदान करने की शक्ति के रूप में बताया है तथा उन्होंने खादी में तकनीक के वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

मेरा मानना है कि आज के इस **Globalization** के दौर में किसी भी राष्ट्र/राज्य की उन्नति में उद्योगों की अहम भूमिका है, उद्योग से मतलब केवल बड़े–बड़े कल–कारखाने ही नहीं है, बल्कि कुटीर तथा लघु उद्योग, हस्तशिल्प एवं आधुनिक तकनीकों के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अपनाकर एवं ग्रामीणों को रोजगार सुलभ कराकर उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा कराया जा सकता है।

मैं आज राज्यभर के कारीगरों से रूबरू होकर बहुत प्रसन्न हूँ। इस कारीगर पंचायत का मुख्य उद्देश्य कारीगरों को एक मंच पर लाना है। झारखण्ड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का प्रयास सराहनीय एवं प्रशंसनीय है, जिसने राज्य भर के कारीगरों को एकजुट किया तथा नेतृत्व प्रदान किया। इस पंचायत का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रशिक्षण उत्पादन के माध्यम से कारीगरों के वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने हेतु आपका

उन्मुखीकरण कराना है। कारीगर पंचायत के साथ आयोजित कार्यशाला का उदेश्य कारीगरों को राज्य सरकार द्वारा सम्पादित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कौशल विकास तथा विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी देना है।

बुनकर एवं कारीगर भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार एवं संस्कृति के वाहक हैं। आपके हुनर के संरक्षण एवं संवर्धन, कौशल विकास, वित्तीय सहायता, अनुदान आदि के लिए झारखण्ड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने केन्द्रीय खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग एवं विभिन्न सरकारी संस्थाओं के विशेषज्ञों की टीम को भी आमंत्रित किया है, आशा है इनसे आप लाभान्वित होंगे।

मैं जानती हूँ, आप सभी बहुत परिश्रमी है, आपको आवश्यकता है, मार्गदर्शन की, मुख्यधारा से जुड़ने की, इस दिशा में आपकी मदद हेतु खादी बोर्ड आपके साथ खड़ा है। इस प्रयास में आप सभी भाई बहनों को स्वयं आगे आना होगा। खादी ग्रामोद्योग द्वारा आयोजित कारीगर पंचायत का उदेश्य आप सभी भाई बहनों को सरकार के विभिन्न योजनाओं से जोड़कर आपको आर्थिक, सामाजिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है।

मुझे कारीगर पंचायत से काफी उम्मीदें हैं। कारीगर पंचायत विलुप्त हो रहे कारीगरों बुनकरों के हुनर का संरक्षण करेगा ताकि उन्हें समाज में उचित सम्मान प्राप्त हो सके। मैं आशा करती हूँ तथा आपको

शुभकामना देती हूँ कि आधुनिक अर्थव्यवस्था के दौर में आप प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हों एवं बदलाव के संवाहक बनें। कारीगर पंचायत निःसंदेह भविष्य में आप सभी भाई बहनों के समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मैं इस अवसर पर झारखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से कहना चाहूँगी कि वे लोगों के आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए खादी का और व्यापक प्रचार–प्रसार करें। खादी के रोजगार से बेरोजगारों एवं गरीबों को जोड़ने हेतु समर्पित भाव से प्रयास करें। वे बेहतर कपड़े बनाने में सफल हो इस हेतु उन्हें सदा प्रोत्साहित करें। साथ ही उन्हें अच्छा बाजार सुलभ करायें।

जय हिंद जय झारखण्ड